डॉ. कीर्ति सिंह का जीवन परिचय

डॉ. कीर्ति सिंह का जन्म 26 मई 1934 को उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में हुआ। उन्होंने अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से अपनी एम.एस. और पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित किया।

डॉ. कीर्ति सिंह एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कृषि वैज्ञानिक हैं। उन्होंने विभिन्न संस्थानों जैसे जम्मू–कश्मीर में सब्जी विशेषज्ञ, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, हिसार में एसोसिएट प्रोफेसर, वेजिटेबल बॉटनीलॉजिस्ट, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगकीय विश्वविद्यालय, फैजाबाद में अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय व कुलपति, हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर व इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कुलपति और कृषि वैज्ञानिक भरती बोर्ड (ए.एस.आर.बी.), नई दिल्ली के सदस्य व अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वर्तमान में वे वर्ल्ड नोनी रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई के अध्यक्ष हैं।

डॉ. कीर्ति सिंह को लियोनार्ड वॉन अवार्ड, ए.आइ.एम.ए. पुरस्कार, रोल ऑफ ऑनर ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, आर.एंड.डी लिंकर अवार्ड, हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल, पी.एन.एस.ए. एफ. गोल्ड मेडल, डॉ एम..एस रणधावा मेमोरियल अवार्ड, पूर्वांचल रत्न पुरस्कार और वर्ल्ड ओपन वेलनेस यूनिवर्सिटी का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड जैसे कई पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. कीर्ति सिंह सब्जियों की कई किस्में एवं कृषि पद्धतियों विकसित की हैं । उन्होंने सौ से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न तकनीकी समितियों और बोर्डों जैसे बागवानी पैनल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्निकल टर्मिनोलॉजी कमीशन (भारत सरकार), डीन्स कमेटी, बागवानी की वैज्ञानिक पैनल के अध्यक्ष, सदस्य के रूप में कार्य किया । वैज्ञानिक पैनल और कृषि शिक्षा पर उच्च शक्ति समिति (आई.सी.ए.आर.), मानदंड और प्रत्यायन समिति आई.सी.ए.आर. प्रत्यायन बोर्ड, सातवीं और एक्सिथ पंचवर्षीय योजना, भारत सरकार के लिए बागवानी पर कार्य समूह, तमिलनाडु में बागवानी को नया रूप देने के लिए आई.सी.ए.आर. अनुसंधान सलाहकार समिति, उच्च स्तरीय समीक्षा समिति, नारियल विकास बोर्ड, भारत सरकार के लिए समीक्षा समिति, आई.सी.ए.आर और अन्य संस्थानों के लिए क्विन्विनियल समीक्षा टीमें और कई विश्वविद्यालयों की पीयर रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य के रूप में भी कार्य किया है ।

वे एन.ए.ए.एस. के फेलो और पूर्व सचिव, इंडियन सोसायटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, हॉर्टिकल्चरल सोसायटी ऑफ इंडिया और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज एंड इंडियन आलू एसोसिएशन के फेलो हैं। उन्होंने इंटरनेशनल सोसायटी फॉर हॉर्टिकल्चरल साइंसेज के पूर्व परिषद सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ वेजिटेबल साइंस के अध्यक्ष, हरियाणा की बागवानी सोसायटी, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ और सदस्य, काउंसिल ऑफ एसोसिएशन ऑफ कॉमन वेल्थ यूनिवर्सिटीज (1994–95) और उपाध्यक्ष, भारतीय आलू एसोसिएशन और वर्तमान में, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हॉर्टिकल्चरल सोसायटी ऑफ इंडिया के रूप में भी कार्य किया।

उन्होंने थाईलैंड, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया और सेनेगल में आयोजित भारत की विभिन्न परामर्श कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने नेपाल, कंबोडिया और सेनेगल में सलाहकार के रूप में काम किया।

डॉ. कीर्ति सिंह एक महान वैज्ञानिक होने के साथ–साथ एक महान व्यक्तित्व के धनी नायक हैं। कृषि विकास संबंधी सुधारों में अपने जीवन के सात दशक लगाए हैं। वे उस पीढ़ी के वैज्ञानिक हैं, जिसने देश में खाद्यान्नों की कमी से लेकर आत्मनिर्भर होने की गाथा को देखा, लिखा और नया आयाम दिया है। जिस देश में खाने का अनाज न हो वहाँ पौष्टिकता के लिए जरूरी सब्जियों और फलों के बारे में सोच ही नहीं जाती थी। आज फल और सब्जी खाद्यान्न से भी ज्यादा पैदा हो रहा है। सभी को खाने को मिल भी रहा है। इस सुनिश्चितता में उनका जितना योगदान है, उसकी जितनी भी बड़ाई की जाय, कम है। वे इस जनवरी में 90 साल के हो गए। वे शतायु हों और मार्गदर्शन करते रहें, यही हम सबकी शुभकामना है।